

मौद्रिक नीति समिति के नरिणय: RBI

प्रलिमिंस के लयि:

मौद्रिक नीति समिति के नरिणय, भारतीय रज़िरव बैंक, रेपो दर, सकल घरेलू उत्पाद, मुद्रास्फीति, खुला बाज़ार परचालन

मेन्स के लयि:

मौद्रिक नीति समिति के नरिणय: RBI, भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना नरिमाण से संबंधित मुद्दे, संसाधन जुटाना, वृद्धि, विकास और रोजगार, समावेशी विकास और इससे उत्पन्न होने वाले मुद्दे, सरकारी बजटिंग

[स्रोत: द हद्वि](#)

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारतीय रज़िरव बैंक (RBI) ने अपनी द्वमिासिक [मौद्रिक नीति समिति](#) (MPC) की बैठक में लगातार चौथी बार [बेंचमार्क ब्याज दरों](#) में बनिा बदलाव कयि हुए उसे बनाए रखा है।

- मौद्रिक नीति समिति ने 6.50% रेपो दर को बरकरार रखा।

मौद्रिक नीति समिति (MPC) की बैठक के प्रमुख बदि:

- अपरविरतति रेपो रेट:**
 - RBI ने सर्वसम्मति से आर्थिक विकास और मुद्रास्फीति नरियंत्रण को संतुलित करने के लयि नीतित रेपो दर को 6.5% पर अपरविरतति रखने का नरिणय लयि।
- सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि और मुद्रास्फीति:**
 - RBI ने वर्ष 2023-24 के लयि अपने वास्तविक GDP विकास पूर्वानुमान को 6.5% पर और चालू वतित वर्ष 24 के लयि औसत CPI मुद्रास्फीति पूर्वानुमान को 5.4% पर अपरविरतति रखा है।
 - हालांकि MPC ने दूसरी तमिाही के लयि अपना मुख्य मुद्रास्फीति अनुमान बढ़ाकर 6.4% कर दयिा है।
 - RBI गवरनर ने 4% मुद्रास्फीति लक्ष्य के प्रतविचनबद्धता पर बल दयिा तथा खाद्य और ईधन की कीमतों में व्यवधान से उत्पन्न होने वाले अंतरनहिति मुद्रास्फीति के प्रभाव से बचने के लयि समय पर कार्रवाई करने हेतु तैयार रहने के महत्त्व पर प्रकाश डाला।
- तरलता प्रबंधन और वत्तीय स्थरिता:**
 - बैंकि प्रणाली की तरलता को मौद्रिक नीति के रुख के अनुसार सकरयि रूप से प्रबंधित कयिा जाएगा।
 - RBI आवश्यकतानुसार [ओपन मार्केट ऑपरेशंस](#) (OMO) का प्रयोग करेगा। मूल्य स्थरिता और विकास के लयि वत्तीय स्थरिता आवश्यक है।
- बुलेट रपिमेंट योजना के तहत गोलड लोन:**
 - RBI ने शहरी सहकारी बैंकों के लयि [बुलेट रपिमेंट योजना \(BRS\)](#) के तहत गोलड लोन की ऋण सीमा को दोगुना कर 4 लाख रुपए करने की घोषणा की।
 - यह नरिणय उन [शहरी सहकारी बैंकों \(UCB\)](#) से संबंधित है जनिहोंने 31 मार्च, 2023 तक [प्राथमिकता क्षेत्र ऋण \(PSL\)](#) के तहत समग्र लक्ष्य और उप-लक्ष्य पूरा कर लयिा है।
 - BRS ऐसी योजना जसिमें एक [करज़दार ऋण अवधि के दौरान ऋण अदायगी की चतिा कयिा बनिा](#) ऋण अवधि के अंत में ब्याज़ और मूल राशिका भुगतान करता है।
- समायोजनकारी रुख:**
 - भारतीय रज़िरव बैंक ने सभी मुद्रास्फीति संबंधी खतरे टल जाने तक ["समायोजन वापस लेने"](#) की अपनी नीति पर ज़ोर दयिा है।
 - [समायोजनकारी रुख](#) केंद्रीय बैंक द्वारा आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लयि मुद्रा प्रतिका वसितार करने की उसकी तत्परता को दर्शाता है।
 - समायोजन को वापस लेने का अर्थ अर्थव्यवस्था तंत्र में मुद्रा प्रतिका नरियंत्रित करना है जसिसे मुद्रास्फीति की रोक थाम में सहायता

बैंचमार्क दरें अपरविरतति रखने के कारण:

- **स्थितिस्थापक आर्थिक गतिविधि:**
 - भारतीय अर्थव्यवस्था ने विभिन्न कारणों से उत्पन्न अनश्चितताओं और चुनौतियों के बावजूद अपने स्थितिस्थापन का प्रदर्शन किया है ।
 - इसके चलते बैंचमार्क दरों को बनाए रखने का नरिणय लिया गया , जो अर्थव्यवस्था द्वारा संभावति जोखमि का सामना करने की इसकी क्षमता को दर्शाता है ।
- **पछिली नीतगित रेपो दर में बढ़ोतरी:**
 - MPC ने पछिली नीतगित रेपो दर में कुल 250 आधार अंकों की बढ़ोतरी दर्ज की ।
 - इन दरों में बढ़ोतरी के प्रभावों से अर्थव्यवस्था को बचाने के लिये समतिने वर्तमान बैठक में दरों को स्थिर रखने का विकल्प चुना ।
 - MPC ने स्वीकार किया कि पछिली नीतगित रेपो दर में बढ़ोतरी अभी भी अर्थव्यवस्था को प्रभावति करने की प्रक्रिया में है ।
- **मुद्रास्फीति जोखमि प्रबंधन:**
 - MPC संधारणीय आधार पर मुद्रास्फीति को 4% लक्ष्य के साथ बनाए रखने के लिये प्रतबिद्ध है ।
 - इसके अतरिकित, दरों को तुरंत समायोजति किये बिना इस लक्ष्य को पूरा करने के लिये, वर्तमान नीतगित रुख की आवश्यकता है ।
 - MPC ने हेडलाइन इन्फ्लेशन को प्रभावति करने वाले खाद्य मूल्य के जोखमिों की संभावति पुनरावृत्तिके बारे में चति व्यक्त की ।
 - दरों को अपरविरतति रखना इस स्थितिपर बारीकी से नजर रखने और मुद्रास्फीति दबाव बढ़ने की स्थितिमें तुरंत कार्रवाई करने के लिये तत्पर रहने हेतु एक एहतियाती उपाय हो सकता है ।

MPC बैठक में RBI द्वारा व्यक्त चतिः

- **उच्च मुद्रास्फीति:**
 - RBI, उच्च मुद्रास्फीति को व्यापक आर्थिक स्थिरता और सतत् विकास दोनों के लिये एक बड़ा जोखमि मानता है ।
 - मुख्य मुद्रास्फीति (खाद्य और ईंधन घटकों को छोड़कर) में गरिवट के बावजूद, अनश्चितताओं ने समग्र मुद्रास्फीति दृष्टिकोण को धूमलि कर दिया है ।
 - आवश्यक फसलों के लिये खरीफ फसलों की बुआई में कमी, जलाशय स्तर में गरिवट और वैश्विक खाद्य तथा ऊर्जा की कीमतों में उतार-चढ़ाव जैसे कारक इस अनश्चितता में योगदान करते हैं ।
- **भू-राजनीतिक और आर्थिक जोखमि:**
 - RBI ने भू-राजनीतिक तनाव, भू-आर्थिक वखिंडन, वैश्विक वत्तीय बाजारों में अस्थिरता और वैश्विक आर्थिक मंदी सहति विभिन्न प्रतकूलताओं को चहिनति कया ।
 - ये बाह्य कारक आर्थिक दृष्टिकोण के लिये जोखमि उत्पन्न करते हैं, इन पर सावधानीपूर्वक वचिर करने की आवश्यकता है ।
- **वत्तीय स्थिरता और नगरानी:**
 - RBI ने वत्तीय स्थिरता के महत्त्व को रेखांकित करते हुए इसे मूल्य स्थिरता और विकास के लिये मौलिक बताया । वत्तीय क्षेत्र की मज़बूत बैलेंस शीट को स्वीकार कया गया, लेकिन वशिष्य रूप से व्यक्तगित ऋणों में वृद्धिके संबंध में सतस्कता तथा मज़बूत आंतरिक नगरानी तंत्र स्थापति करने की सलाह दी गई ।

नोट:

- **CRR:** नकद आरक्षति अनुपात, शुद्ध मांग और सावधि दैनदारियों का एक प्रतशित, बैंकों को तरलता को नरितरति करने के लिये केंद्रीय बैंक (RBI) के पास रखना चाहिये ।
 - **वृद्धशील CRR:** अतरिकित तरलता का प्रबंधन एवं अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिये RBI द्वारा बैंकों की CRR को अधिक करने आवश्यकता है ।
- **रेपो दर:** यह वाणजियक बैंकों हेतु अल्पकालिक ऋण के लिये RBI द्वारा नरिधारति ब्याज दर है । यह मुद्रास्फीति को नरितरति करने एवं आर्थिक विकास को प्रोत्साहति करने के लिये प्रयोग कया जाने वाला एक उपकरण है ।
- **मुद्रास्फीति:** यह एक समयावधि में किसी अर्थव्यवस्था में वस्तुओं एवं सेवाओं के सामान्य मूल्य स्तर में नरितर वृद्धिके संदर्भति करता है, जिससे रुपए की करय शक्ति में कमी आती है ।
 - **हेडलाइन मुद्रास्फीति:** यह उस अवधि के लिये कुल मुद्रास्फीति है, जिसमें वस्तुओं की एक टोकरी शामिल होती है ।
 - खाद्य और ईंधन मुद्रास्फीति भारत में हेडलाइन मुद्रास्फीति के घटकों में से एक है ।
 - **कोर मुद्रास्फीति:** हेडलाइन मुद्रास्फीति उस अवधि के लिये कुल मुद्रास्फीति है, जिसमें वस्तुओं का एक बास्केट शामिल है । इन अस्थिर वस्तुओं में मुख्य रूप से भोजन और पेय पदार्थ (सब्जियों सहति) तथा ईंधन एवं प्रकाश (कच्चा तेल) सम्मलित हैं ।
 - **कोर मुद्रास्फीति = हेडलाइन मुद्रास्फीति - (खाद्य और ईंधन) मुद्रास्फीति**
- **मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण:** यह एक मौद्रिक नीति संरचना है जिसका उद्देश्य मुद्रास्फीति के लिये एक वशिषिट लक्ष्य सीमा बनाए रखना है ।
 - **उरजति पटेल समति** ने मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण के उपाय के रूप में **थोक मूल्य सूचकांक (WPI) पर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI)** की सफिरशि की ।
 - वर्तमान मुद्रास्फीति लक्ष्य भी 4% की लक्ष्य मुद्रास्फीति दर स्थापति करने की समति की सफिरशि के साथ संरेखति है, जिसमें वचिलन की स्वीकार्य सीमा $\pm 2\%$ है ।

- केंद्र सरकार, RBI के परामर्श से खुदरा मुद्रास्फीति के लिये मुद्रास्फीति लक्ष्य तथा उच्च और नमिन छूट का स्तर निर्धारित करती है।
- तरलता से तात्पर्य उस सुवधि से है जिसके साथ किसी परसंपत्तिया सक्थोरटि को उसकी कीमत पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव डाले बनि बाजार में सरलता से खरीदा या बेचा जा सकता है।
 - यह वतितीय दायतिवों को पूरा करने अथवा नविश करने के लयि रोकड़ या तरल संपत्तकी उपलब्धता को दर्शाता है। सरल शब्दों में तरलता का अर्थ है- जब भी आपको ज़रूरत हो अपना पैसा प्राप्त करना।

मौद्रकि नीतिसमिति(MPC): सरलीकृत

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????:

प्रश्न. मौद्रकि नीतिसमिति(मोनेटरी पालसिी कमटिी/MPC) के संबंघ में नमिनलखिति कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं? (2017)

1. यह RBI की मानक (बेंचमार्क) ब्याज दरों का नरिधारण करती है।
2. यह एक 12 सदस्यीय नकिया है जिसमें RBI का गवरनर शामिल है तथा प्रत्येक वर्ष इसका पुनरगठन कयिा जाता है।
3. यह केंद्रीय वति्त मंत्री की अध्यक्षता में कार्य करती है।

नीचे दयिे गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनयिे:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 1 और 2
- (c) केवल 3
- (d) केवल 2 और 3

उत्तर: (a)

प्रश्न. यद आर.बी.आई. प्रसारवादी मौद्रकि नीतिका अनुसरण करने का नरिणय लेता है, तो वह नमिनलखिति में से कयिा **?????** करेगा? (2020)

1. वैधानकि तरलता अनुपात को घटाकर उसे अनुकूलति करना
2. सीमांत स्थायी सुवधि दर को बढ़ाना
3. बैंक दर को घटाना और रेपो दर को भी घटाना

नीचे दयिे गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनयिे:

- (a) केवल 1 और
- (b) केवल 2
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

??????:

प्रश्न. कयिा आप इस मत से सहमत हैं कसकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) की स्थायी संवृद्धति तथा नमिन मुद्रास्फीति के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में है? अपने तरकों के समर्थन में कारण दीजयिे। (2019)

